राखीगढ़ी की खोज

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा प्रस्तावित स्कूली पाठ्यपुस्तकों में हाल के बदलावों में से एक में **हरियाणा के राखीगढ़ी के प्राचीन स्थल पर खोजे गए कंकाल अवशेषों पर** डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (DNA) विश्लेषण के परिणामों के विषय में जानकारी जोड़ना शामिल है।

- इसके अतिरिक्त, आदिवासियों पर विस्थापन और बढ़ती गरीबी के कारण **नर्मदा बाँध परियोजना** के नकारात्मक प्रभाव के संदर्भ हटा दिये गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- NCERT ने कहा है कि **राखीगढ़ी हरियाणा में पुरातात्त्विक स्रोतों** से प्राचीन **DNA** के अध्ययन से पता चलता है कि हड़प्पावासियों का आनुवंशिक मूल 10,000 ईसा पूर्व तक रहा है।
- राखीगढ़ी **भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है।** यह स्थल **मौसमी घग्गर नदी से लगभग 27 किमी. दूर सरस्वती नदी के मैदानी इलाके** में स्थित है।
- **6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण) से 2500 ईसा पूर्व** तक इसके विकास का अध्ययन करने के लिये भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) **के पुरातत्त्वविद अमरेंद्र नाथ** के नेतृत्व में राखीगढ़ी में खुदाई की गई थी।
- प्रोफेसर शिंदे ने राखीगढ़ी से जुड़े शोध में अहम भूमिका निभाई। प्रोफेसर शिंदे भारतीय इतिहास से जुड़े इन शोधों पर एक किताब **'हिस्ट्री ऑफ इंडिया'** भी लिख रहे हैं।
- प्रोफेसर शिंदे ने कहा-
- **राखीगढ़ी, लोथल गलिुंड, नुजात आदि स्थानों की खुदाई** में मिले अवशेषों, सबूतों और कंकालों की DNA रिपोर्ट से यह साबित हो गया है कि हड़प्पा सभ्यता **विश्व की सबसे पुरानी तथा सबसे विकसित सभ्यता थी।**
- **आर्यों के आक्रमण** और बाहर से आने का सिद्धांत मनगढ़ंत व गलत है, जिसकी पुष्टि **DNA के पुरातात्त्विक तथा वैज्ञानिक सत्यापन के आधार पर की गई है।**

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI)

- **संस्कृति मंत्रालय** के तहत ASI देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है।
- यह 3,650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसकी गतिविधियों में पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण करना, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज और उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण तथा रखरखाव आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई** थी। अलेक्जेंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व का जनक" भी कहा जाता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एक **स्वायत्त** संगठन है जिसकी स्थापना वर्ष 1961 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत की गई थी।
- यह स्कूली शिक्षा से संबंधित मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह देने वाली शीर्ष संस्था है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rakhigarhi-findings